कंठ शास्त्रीय संगीत 📜

१. स्वर परिचय

१. स्वर: ठरावीक कंपनसंख्येच्या स्थिर आणि मधुर नादाला स्वर असे म्हणतात. स्वरांचे २ प्रकार पडतात.
 १. शुद्ध स्वर २. विकृत स्वर
 विकृत स्वराचे दोन प्रकार पडतात. अ) कोमल स्वर ब) तीव्र स्वर

- १.१ शुद्ध स्वर: सात सारेगमपधनि
- १.२ विकृत स्वर: अ) कोमल स्वर चार रेग ध निब) तीव्र स्वर एक मं
- **१.३** स्वरालंकार : स्वरांच्या नियमबद्ध रचनेला अलंकार असे म्हणतात. अलंकारांचा उपयोग स्वरांच्या अभ्यासासाठी तसेच राग रंजकतेसाठी केला जातो.
- (१.३.१) सारेगमपधनिसां। सांनिधपमगरेसा।
- (१.३.२) सारेग रेगम गमप मपध पधनि धनिसां। सांनिध निधप धपम पमग मगरे गरेसा।
- (१.३.३) सारेगम रेगमप गमपध मपधिन पधिनसां। सांनिधप निधपम धपमग पमगरे मगरेसा।
- (१.३.४) साग रेम गप मध पनि धसां। सांध निप धम पग मरे गसा।
- (१.३.५) सागरेसा रेमगरे गपमग मधपम पनिधप धसांनिध निरेंसांनि, सांगं रेंसां। सांधनिसां निपधनि धमपध, पगमप मरेगम गसारेग रेनिसारे साधनिसा।



- प्र.१ खालील अलंकार पूर्ण करा.
 - १) सारेगसा, रेगमरे

३) गरेसा, मगरे

२) रेसा, गरे, मग

प्र.२ वरील अलंकारांचा सराव करा.

३. रागांचा स्वरविस्तार

रागाचे शास्त्र आणि वैशिष्ट्य लक्षात घेऊन स्वर विस्तार केला जातो.

३.१ राग-भूपाली:

रागविस्तार : धृधृसा, सारेधृसा |
सारेग, गगप, गरेगरेसा |
गपधंधंप, गपधंधं सां, सांधप, गरेधृसा |
गपधंधं सां, सांरेंधं सां, सांरेंगं, गंरेंधं सां |
गपधंधं सां, सांरेंगं, गंरेंसां, सांधप, गरेधृसा

३.२ राग-यमन:

रागविस्तार:

 नि रे , सा, नि ध नि ध प, मं ध नि सा |

 नि रे नि ध निसा, नि रे ग रे ग, ग रे नि रे सा |

 नि रे ग मं प , ग मं ध प , ध मं प , मं ग , रे ग , नि रे सा |

 नि रे ग मं प , ग मं ध नि , मं ध नि सां ध नि सां , सां नि ध प , मं ध नि सां नि ध प , ध मं प मं ग रे ग, रे सा |

 नि रे ग मं ध नि सां , नि रें सां , नि रें गं , गं रें सां नि ध प , मं ध नि मं ध प मं ग , नि रे ग रे नि रे सा |

३.३ राग-बागेश्री:

```
३.४ राग - बिहाग :
रागविस्तार :
सा नि धु पू, पू नि सा, नि सा ग ऽ रे सा |
नि सा ग, ग म ग, प मं ग म ग ऽ रे सा |
नि सा ग म प, मं प ग म ग, सा ग म ग, प मं प, ग म ग ऽ रे सा |
नि सा ग म प नि, नि ऽ धु पु, ग म प नि ऽ धु पु, मं प ग म ग ऽ रे सा |
नि सा ग म प नि ऽ, नि सा ग म प म ग म प नि ऽ सां ऽ, सां नि ऽ धु पु, प मं ग म ग ऽ रे सा |
```

```
३.५ राग - केदार:
```

रागविस्तार:

```
सा, सा म, रे सा, सा रे सा सा नि ध पू, पृथ्पपू सा |
सा, रे सा म, प थपमं रे सा, सा रे सा |
सा म, प म, प ध प म, ध प म, सा म प ध प म, प म, रे, सा, सा रे सा |
मं प ध प म, रे सा, मं प नि ध सां नि ध प, मं प ध प म रे सा |
मं प नि ध सां रें सां नि ध प, मं प ध प म, रे सा |
सा म, पध्पप सां, सां रें सां ध प, प ध मं प ध ध, प प म म रे सा |
```



प्र.१ रागाचे शास्त्र आणि नियम लक्षात घेऊन रागविस्तार करण्याचा प्रयत्न करा.

रे. सादरीकरण छोटा ख्याल

ख्यालाचे दोन प्रकार पडतात. १) बडा ख्याल, २) छोटा ख्याल. बडा ख्याल विलंबित लयीत तर छोटा ख्याल मध्य लयीत गायला जातो. या घटकामध्ये आपण काही रागांच्या छोट्या ख्यालातील बंदिशींचा अभ्यास करणार आहोत.

४.१ राग-खमाज

ताल-त्रिताल

अस्थाई – नमन करू मैं सदगुरु चरणा। सब दुख हरणा भाव निस्तरणा॥ अंतरा - शुद्ध भाव धर अंतःकरणा। सुरनर किन्नर वंदित चरणा॥

स्थायी

१	2	3	γ	ų	ξ	O	7	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								सां	सां	नि	नि	धप	ध	म	ग
								न	म	_ ਜ	— क	र्कुंऽ	S	मैं	S
								0				3			
ग	म	प	ध	सां	नि	सां	-	सां	सां	गं	मं	गं	ग्रें	नि	सां
स	द	गु	रु	च	र	णा	2	स	ब	दु	ख	ह	र्ड	णा	S
×				२				0				3			
नि	नि	सां	सां	सांनि	रेंस	ग्रं नि —	ध								
भा	S	व	नि	स्तुऽ	र्ऽ	्रण	T 5								
×				२											- 1

								ग	म	ध द्ध	नि	सां	नि	सां	सां
								शु	S	द्ध	भा	S	ਕ	ध	र
नि	-	सां	-	नि	सां	नि —	ध	सां	सां	गं न	मं	गं	-	नि	सां
अं	2	त:	S	क	र	णा	2	सु	र	न	र	कि	S	न्न	र
×				7				0				3			
नि	-	सां	सां	निसां चऽ २	रेंसां	नि —	ध								
वं	S	दि	त	चुऽ	र्ऽ	णा	2								
×				२											

आलाप – स्थाई

रे

सा

अंतरा

४.२ राग-मालकंस

ताल-त्रिताल

- स्थाई मुख मोर मोर मुस्कात जात अत छबीली नार चली पत संगाथ।
- अंतरा का हू की अंखियां रसीली मन माई। या विध सुंदर वा कहलाई चली जात सब सखियां साथ॥

स्थायी

							•								
१	2	ş	Χ	ų	ξ	G	۷	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
						ग	गम	ग	_	सा	सा	_	सानि	ध	नि
						_ मु	<u>ੂ</u> ਯੂ	_ मो	S	ŧ	मो	2	<u>;</u>	. मु	- स
×				२				0				3			
सा	-	म	म	-	ेग	म	ग	म	ध	नि	सां	-	सां	सां	नि
का	2	त	जा	S	_ त	अ	_ त	छ	_ बी	_ লੀ	ना	S	र	च	_ লੀ
×				2				0				3			
ध _	नि —	ध 	म	-	र ग	ग _	म								
प	त	_ सं	गा	S	थ	मु	ख								
×				2											

							3	रंतरा							
								_	म	ग	ग	म	म	ध	ध
								S	का	्रेक्ट	कि	अ	खि	 यां	
								0				3			
नि	नि	सां	सां	सां	_	सां	_	सां	_	सां	सां	सां	-	नि	ध
 सी	_ লি	म	न	मा	2	ई	-	या	2	वि	ध	सुं	2	<u> </u>	₹ ₹
×				२				0				3			
म	ध	नि	नि	ध	नि	ध	म	सां	मं	_	गं	मं	गं	सां	सां
वा	2	_ क	_ ह	_ ला	2	ई	S	च	ली	S	जा	S	_ ਜ	स	ৰ
×				२				0				ş			
ध	नि	ध	म	_	ग	ग	म								
_ स	खि	यां	सा	S	খ	मु	ख								
×				7				ı							'

आलाप

अस्थायी

स्थायी

ताना

४.३ राग-बागेश्री

ताल-त्रिताल

स्थाई-	पायल बाजे मोरी झांजर बाजे।
	कैसे आऊँ तोरे मिलना रे॥

अंतरा- जाग रही मोरी सास ननन्द री। जिया डर पावत रैन अंधेरी॥

							अस्थ	<u>यायी</u>							1
8	2	3	γ	4	ξ	O	۷	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								म	ग _	रे	सा	-	रे	ध	नि -
								पा	य	ल	बा	S	जे	मो	री
								0				3			
सा	-	म	म	मुप्	धप	ग _	रे	म	_	ध	ध	पुध	नि —	ध	म
झां	2	ज	र	बाऽ	22	जे	2	कै	2	से	आ	ॐऽ	2	तो	S
×				२				0				3			
म	प	ध	प	ग _	रे	म	-								
₹	S	मि	ल	ना	S	रे	S								
×				२											

अंतरा

								ग _	म	ध	नी —	सां	_	सां	सां
								जा	S	ग	र	ही	2	मो	री
								0				3			
नि	सां	ŧ	सां	नि	सां	नि	ध	ध	ध	म	ध	नि —	सां	<u>नि</u>	ध
सा	2	स	न	नं	द	री	2	जि	या	ड	र	पा	2	व	त
×				?				0				3			
म	प	ध	Ч	ग	रे	म	-								
रै	2	न	अं	धे	2	री	S								
×				2											

् स्वाध्याय

प्र. १ अभ्यासक्रमातील राग लक्षपूर्वक ऐका व त्याचा अभ्यास करा.

४.४ राग – बिहाग

ताल-त्रिताल

स्थाः				के चीते	हो वन	नदेरे	ताल	— (;	अंतर अंतर				व्रो बिदेसव वन दे रे	T			
	हो व	वनदेरे मी	ति पिर	यरवा			ŧ	থা	यी	_			यरवा				
^म ग बा	म ऽ	प ल	सां म	नि रे	<u>-</u>	_ ч s	-		-	-	ध प मो	प रे	प ग म	म न	ग के	- 5	
3		ν,	·	×	•	Ч	•		?	•	ч		0				
प नि ची ३	ध नि ऽ	प ते	2	- S X	2	ग ऽ	म ऽ		प हो २	2	ग व	म न	ग दे ०	- S	ेसा रे	2	
नि प• हो २	2	ਜਿ ਕ	नि न	सा दे ×	2	म ग रे	म ऽ		प मी २	2	प ग त	म पि	ग य ०	गरे रऽ	सा , वा	2	
ч ғ	1			· · · · · · · · · · · · · · · ·	π		3	अंत	रा								
ग स ३	ं ग दा	म ऽ	प रं	_ ` _ ` _ `	ं प ग	नि जि	नि न		सां जा २	2	सां वो	सां बि	सां दे ०	रें स	सां वा	2	
^{नि} सां	सां	सां	_	नि	ध नि	Ч	-		मं प	_	नि	नि	सां	नि	ч	-	
स <u>ु</u> ३	ख	नी	2	द ×	रि	या	S		सो २	S	व	न	दे	2	रे	2	
प ग	म	Ч	नि	सां	^ध नि	Ч	-	प	Ч	-	ग	म ॰	ग	ग	सा	-	
सो ३	2	व	न	दे *	2	रे	2	 तान	मी २ ग	2	त	पि	य o	र	वा	2	
८ मात्रा	?) :1 (?	?) ग्	ांसा / म	गम) (नि)	पम्) सांग		गम) रेंसां	7 / (1-/	ाम) धि	पम) पम	ग ग्रे	t / t /	सासा सासा				
१६ माः	त्रा : (१	() नि प्र	ासा / नि	गम) सारें सारें	पम्) स्रां	ि ने ने	गम <u>)</u> धप	ग / म	ग) प	रेसा <u>गम</u>	निर ग्रे	सा / :/	गम सासा				
	(=	?) म [∙] नि	ग / ानि /	रेसा पनि	निस सां	ा / ने /	मग) धप)	Ч `	ч , іч)	मग) मग)	रेस ` रेस	ा / गा	निसा 				

४.५ राग – केदार

ताल-त्रिताल

स्थाई– सोच समझ मन मीत पियरवा सद्गुरू नाम करे सुमिरनवा |

अंतरा - घरि घरि पल पल उमर घटत सब अजहूं चेत मतिमंद चतरवा ||

स्थायी

न् सा	रे	सा	सा प	प	प	मं	Ч	ध	_	प	प	<u>म</u> ्पध	मंप	म	-
सो	2	च	स	म	झ	म	न	मी	2	त	पि	l	<u>₹5</u>	वा	S
0				3				×				٦			
ग				प		नि				म		ग			
म	-	प	प	सां	-	ध	प	म	-	ध	प	म	रे	सा	-
स	2	द्गु	रु	ना	2	म	क	रे	2	सु	मि	र	न	वा	2
0				3				×				2			

अंतरा

र्म प	प	सां	सां	सां	सां	ť	सां	सां ध	_{नि} ध	सां	ŧ	सां	नि	ध	Ч	
घ	रि	घ	रि	प	ल	प	ल	उ	म	र	घ	ट	त	स	ब	
0				3				×				२				
ग म			ч.	सां्.		नि	Ч	ग		म		ग	_			
म	म	प	सा	ŧ	सा	ध	प	म	-	ध	प	ग म	ŧ	सा	-	l
अ	ज	ं ह	चे	2	त	म	ति	मं	2	द	च	तु	₹	वा	2	
0				3				×				Ş				ı

ताना

८ मात्रा: (१)	सारे	सासा	मम	रेसा	पप	मंप	मम	रेसा
(5)	सासा	मम	पप	मंप	धप	मंप	मम	रेसा
१६ मात्रा: (१)	मम्	रेसा	पप	मंप	मम	रेसा	धध	पुप
	मम्	रेसा	सांनि	धप	मंप	धप	मम	रेसा
(२)	मंप	धप	मंप	ध <u>नि</u>	धप	मंप	धनि	सांनि
	धप	मंप	धनि	सारें	सांनि	धप	मम	रेसा

४.६ भैरव

ताल-त्रिताल

स्थाई- जागो मोहन प्यारे सांवरी सूरत मोहे मन भावे सुंदर लाल हमारे |

अंतरा - प्रात समय उठी भानु उदय मयो, ग्वाल बाल सब भूपत ठाडे

दरसन के सब भुखे प्यासे, उठियो नंद किशोर ||

							स्थ	ायी							
म ग	म	_{नि} ध	_	Ч	_	प ध	म	धध	पम	प	_	म	_	ग	_
जा	2	_ गो	2	मो	2	_ ह	न	्रा प्याऽ	<u>22</u>	2	2	रे	2	2	S
o प ग		म	म ग	३ ग्र		ग	Ч	х ग म	ग	म	ग	२ म रे		тп	
ग सां	<u>-</u>	ਸ ਬ	ग री	ग रे - सू	<i>-</i>	ग र	प त	म मो	ग हे	म म	। न	र - भा	2	सा वे	2
0	5	٦	VI.	`& 3	5	`	VI	×		.,		2	5	٦	
^{सा} नि सु	सा	म ग	甲	<u>ч</u>	ध	नि	सां	सां स रें - मा	τ ΄ - - 5	सां	नि	ध	Ч	म	ग
सुं	2	द	₹	ला	2	ल	ह	_ मा	2	2	2	2	S	रे	2
0				3				×				2			
							3	तरा				_			
Ч	_	प	Ч	नि ध —	-	नि	नि	सां	-	सां	_	नि	सां	सां	सां
प्रा	S	त	स	म	य	3	ਠੀ	भा	2	नू	S	द	य	म	यो
0				3				×				۶ ·		•	
नि ध —	-	ध —	_{सां} नि	सां	सां	सां	सां	सां रं - भू	-	सां	सां	सां नि	सां	_{नि} ध —	Ч
ग्वा	-	ल	वा	2	ल	स	ब	भू	2	प	त	ਠਾ	2	ङे	S
0				3		C		×				२			
प ग	म	Ч	ध _	<u>ध</u> सां	-	_{नि} ध —	प	म	ग	म	ग	म् रे -	-	सा	-
द	₹	स	— न	के	2	स	ब	भू	2	खे	S	प्या	2	से	S
0				3				×				२			
सा नि	सा	म ग	म	प	ध	नि	सां	सां रें - शो	सां रें - S	सां	नि	ध _	Ч	म	ग
3	ठि	यो	S	नं	2	द	कि	शो	2	2	S	2	2	रे	S
0				3				×				2			

५. सादरीकरण बडा ख्याल (विलंबित ख्याल)

विलंबित लयीमध्ये (सावकाश लय) गायल्या जाणाऱ्या ख्यालाला बडा ख्याल असे म्हणतात. बडा ख्याल विलंबित त्रिताल, विलंबित एकताल, आडा चौताल, झुमरा या तालांमध्ये गातात. बडा ख्यालानंतर छोटा ख्याल गायला जातो.

	. (ग- भूष	गली त			एकता त गुरुपद क		घणत	
अस्	थाई – जब	। हा सब ।	नरपत नि	रास भय।			(IXI	तब चाप		•	
१	?	₹	४	ų	Ę	यायी ७	۷	8	१०	११ गरेसा जबही	१२ धुसारे ऽसब
प नि	ग ऽ	रंग ऽऽ	ग र	पधपप पऽऽऽ	गरे तऽ	सासा निराऽ	<u>सारेरे</u> <u>ऽ</u> ऽस	पग भये	रेगरेरेग ऽऽऽऽऽ	8	3519
×		0		7		0		3		γ	
	'					अंतरा			'		'
										गगपध गुरूपद ४	सांसां कमऽ
सां	सांसारें	-सारेंसा	धप	प्धधप,ग	र्गप	ध्सांधसां	-सारेंसा	सांधपग	रेगरेरेग		
ल	<u>बन्देऽ</u>	ऽरघुप	तऽ	<u> इतबड</u>	चाऽ	प्समीऽ	ऽऽऽप	l	22222	-	-
×		0		?	- 21	० टा ख्याल		3			
						टा ख्याल ा–भूपाली					
						ल-त्रिताल					
अस्था	औ	हम सनजि र न सो नैन से करो तुम्	मिलावर		,		ऐसो	करु कछु ढिट लंगर ते कौन करे	त्रा तोरे।	भावत।	
१	२ ३	8	५ ६	6	८ ९	स्थायी १० सां म		२ १३	88	१५	१६
					सां	सां	ध प ह म		रे न	सा	सा
					<u>तु</u> ०	म	ह म	स ३	न	जि	न

प	ग	प	प	प	ध	ध	-	ग	_	ग	रे	ग	प	सां	ध
बो	S	लो	पि	य	र	वा	2	औ	S	र	न	सो	2	नै	2
×				2				0				३			
सां	सां	सां	-	सां	ŧ	सां	_	सां	सां	ť	रें	ध	_	सां	सां
न	मि	ला	S	व	त	हो	2	ह	म	से	क	रो	2	तु	म
×				2				0				3			
<u>पध</u>	सांसां	धप	पध	सांसां	धप	गरे	सा-								
राऽ ×	<u>22</u>	<u>22</u>	<u>22</u>	₹ 32	<u>22</u>	<u>22</u>	₹5 <u>`</u>								

अंतरा

								अत	रा						
								प	ग	ग	ग	प	_	सां	ध
								का	2	रि	क	रु	2	क	छु
								0				३			
सां	सां	सां	सां	सां	ŧ	सां	सां	सां	-	ध	-	सां	-	ŧ	रें
ब	न	न	ही	आ	S	व	त	ऐ	2	सो	2	ढी	2	ट	लं
×				2				0				3			
सां	ŧ	गं	ŧ	सां	ţ	सां	ध	Ч	ग	प	ध	सां	ध	सां	सां
ग	र	वा	S	तो	2	रे	2	तु	म	से	कौ	S	न	क	रे
×				?				0				३			
प्ध	सांसां	धप	प्ध	सांसां	ध्प	गरे	सा-								
$\overset{\overline{NS}}{\mathbf{x}}$	22	22	22	<u>\$</u>	22	22	<u>₹</u> 5								

ताना

८ मात्रा: (१) सारे गप धसां धप धप गप
 説

 説

 期

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 財

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 リ

 < सांसां 昭) 定) 定) 定) 版) धप (२) गुप ध्सं) मं) सं) मं) ;सं)

 ガワ
 ボ

 まな
 まな

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 ・
 ボ

 १६ मात्रा : (१) सारे धप गप (२) सारे गप रेंसां | गप धसां धप

५.२ राग-यमन

विलंबित-एकताल

अस्थाई - कहो सखी कैसे के करिए भरिए दीन ऐसे लालन के संग।

अंतरा – सुन री सखीरी मैं का कहूँ तोसे। उनहीं के जानत ढंग॥

						स्थायी						ı
१	2	3	Χ	ų	ξ	G	۷	९	१०	११	१२	
										ग-रेग	सा-निध्	
										कहेसखी	कैऽसेके	
	नि									γ		l
सा	धप	सासा	सा	रेसा	निध	निरे	गरे	ग	रेसा			
क	रिए	भरि	ए	दिन	ऐसे	लाऽ	लन	के	संग			
×		0		२		0		3				

,	ı	1	अंतरा		
					मंग मंध
					सुन रीस
					γ
नि-सांसां रें	सां निध	निधप निरेग	रे मुंधनी	धप रेस	
खीऽरीऽ मैं	का कहूँ	तोऽसे उन्ही	के जाऽऽ	नत ढंग	
×	0	?	0	3	

आलाप

स्थायी

	११	१२	8	2	3	8	4	ξ	b	۷	9	१०
(१)	कहोसख	ी कैसेके	क	सा	सानि	धृनि	निरे	सा	निरेग	2	गरे	निरेसा
(२)	कहोसख	ी कैसेके	क	सा	निरेग	. 5	रेगमंम	रंग	गमंप	2	पुम्	रेगरेसा
(ξ)	कहोसख	ी कैसेके	क	गमंप	<u>म</u> ्ध	प	पर्म	रंग	परे	सा	धनि	रेसा
(8)	कहोसख	ी कैसेके	क	Ч	मंध	प	<u>मंधिन</u>	निधप	पर्म	रेग	गरे	निरेसा
						अंतरा						
(१)	सुन	रीस	खी	<u>गर्मधिन</u>	धप	<u>म्ंधनिसां</u>	सांनि	निधप	<u>म्ंधनिसां</u>	.धनिरें	सां	S
(7)	सुन	रीस	खी	<u>म</u> ंधनिसां	निरेंसां	S	निरेंगं	गंरें	निरेंसां	S	धनिस	मुं ऽ

तान - स्थायी

	११	१२	१	2	3	8	ų	६	b	۷	९	१०
(१)	कहोसखी	कैसेके	क	S	निरेगमं	पर्मगरे	गर्मपर्म	गरेसाऽ	निरेगरे	गरेसाऽ	गमंपमं	गरेसाऽ
(२)	कहोसखी	कैसेके	क	2	निरेगमं	धनिधप	मंधपमं	गरेसाऽ	निनिधप	धधपमं	पपमंग	मंगरेसा
						अंतरा						
(१)	सुन	रीस	खी	S	निरेगम	धनिसांऽ	निधपमं	गरेसाऽ	सांनिधप	निधपम	धपर्मग	र्मगरेसा
(२)	सुन	रीस	खी	2	निरेगम <u>ं</u>	धनिरेंगं	रेंसांनिध	पर्मगरे	धनिरेंसां	निधपमं	गमंपमं	गरेसाऽ

ताना

गरे सा- | ८ मात्रा: (१) निरे गर्म गर्म पर्म गमं (世) 中 中 年 सांनि 平(中(中)(元) (२) निरे धि (नि.) -धि (मि.) -मि.) -मि.) धप रेसा | रेसा) धप गरे) पध) ⁻म) -ध म) पम पम पम निसां १६ मात्रा: (१) गग सासा निन (२) निरे सासा | सांसां | मंप) गरे) धनि सांनि गर्म सांनि धप सासा |

राग-यमन

ताल-त्रिताल

अस्थाई - एरी आली पिया बिन सखी कलन परत मोहे घरीपल छिनदिन।। अंतरा - जबसे पिया परदेस गवन किनो, रतिया कटत मोरी तारे गिन गिन॥

स्थायी

१	2	3	γ	ų	ξ	G	۷	9	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	
								निध	नि	Ч	-	रे	-	सा	-	
								एऽ	S	री	2	आ	2	ली	2	
								0				3				
ग	रे	प	ग	_	-	ग	Ч	ग	Ч	ग	प	मं	ध	मं	प	
पि	या	बि	न	s	S	स	खी	क	ल	न	प	र	त	मो	हे	
×				2				0				3				
नि	ध	प	मं	ग	रे	सा	सा									
घ	री	प	ल	छि	न	दि	न									
×				2								l				

अंतरा

								Ч	प	सां	सां	सां	-	सां	सां
								ज	ब	से	पि	या	S	प	र
								0				3			
सां	-	नि	ध	नि	ŧ	स	ां सां	नि	ŧ	गं	ŧ	सां	नि	ा ध	प
दे	2	स	ग	ਕ	न	कि	नो	र	ति	या	क	ट	7	न मे	ा री
×				2				0				3			
नि	2	धप	-	रे	रे	सा	सा								
ता	2	रेड	2	गि	न	गि	न								
×		0		2											

प्र. १ तबल्यावर विलंबित एकतालाचा ठेका समजून घ्या व समेची मात्रा ओळखण्याचा सराव करा.

६. सादरीकरण

६.१ तराणा

तराणामध्ये दिरदिर, तुंदिर, तनोम यासारखे अर्थहीन शब्द आणि किट धा, तिटकत, धागे, धाधा यासारखे तबल्याचे बोल एखाद्या रागामधील गीताप्रमाणे मध्य किंवा द्रुतलयीत गायले जातात. तराणा हा वैशिष्ट्यपूर्ण गीतप्रकार गाताना तुम्हांला नक्कीच मजा येईल.

राग - अल्हैया बिलावल

ताल त्रिताल

स्थायी

स्थाई - तदिम् तन देरेना तदारे दानी, तनन तन देरेना दिम् तन देरेना,

धित्लांतनननन देरेना ||

रे

ना

2

सां दे

×

अंतरा - ना दिरदिरदिर तुम दिरदिरदिर दिम दिम तनन तदियाना रे तन दिम्तन दारे दानी,

दिरदिरदिरदिर दिरदिरदिरदिर दिमतन देरेना ||

								ग	प	-	प	प	नि	ध	नि
								त	दिम्	2	त	न	दे	2	रे
								0				3			
सां	_	-	नी	ध	प	म	ग	ग	म	रे	रे	ग	ध	प	प
ना	2	2	त	दा	रे	दा	नी	त	न	न	त	न	दे	रे	ना
×				2				0				3			
ग	म	रे	सा	नि	रे	सा	-	ग	Ч	-	प	नि	ध	नि	नि
दि	म्	त	न	दे	रे	ना	S	धि	त्लां	2	त	न	न	न	न
×				2				0				3			

अंतरा

2

								ग	प	-	प	नि	ध	नि	नि
								ना	दिर	दिर	दिर	तुम	दिर	दिर	दिर
सां	-	_	सां	सां	सां	सां	सां	ध	नि	सां	ŧ	नि	सां	ध	प
दिम्	2	2	दिम्	S	त	न	न	त	दि	या	ना	रे	2	त	न
ध	नि	ध	Ч	ग	प	म	ग	ग	ध	प	नि	ध	सां	नि	रें
दि	2	म्त	न	दा	रे	दा	नी	दिर							
सां	नि	ध	Ч	म	ग	रे	सा								
दि	2	म्त	न	दे	रे	ना	S								

६.२ धृपद

ख्याल गायकी प्रचारात येण्यापूर्वी अत्यंत लोकप्रिय असलेला गीतप्रकार म्हणजे धृपद होय. धृपदाचे गायन लयीचे विविध प्रकार उदा. दुगुन तिगुन घेऊन केले जाते. ख्याल, तराणा या गीतप्रकारानंतर धृपद हा वैशिष्ट्यपूर्ण गीतप्रकार तुम्हांला नक्की आवडेल.

राग – भूपाली ताल चौताल

स्थायी - तू ही सूर्य तू ही चन्द्र, तू ही पवन तूही अगिन अंतरा - भव रूद्र उग्र सर्व पशुपती समसमान तू ही आप तू अकास तू ही धरनि यजमान || ईशान भीम सकल तेरे ही अष्ट नाम ||

					4.8	તાયા						
8	2	3	X	ų	६	6	۷	9	१०	११	१२	
×		0		२		0		3		Χ		
ग	-	रे	ग	-	Ч	ग	-	३ रे	सा	रे	सा	
तू	2	ही	सू	S	र्य	तू	2	ही	चं	S	न्द्र	
सा	-	ध •	सा	ग	रे	सा	रे	सा	ध •	ध •	प •	
तू	S	ही	प	व	न	तू	S	ही	अ	गि	न	
सा	_	रे	प ग	Ч	ध	ध सा	-	ध	सां	_	सां	
तू	2	ही	आ	2	Ч	तू	2	अ	का	2	स	
सां	गं	ŧ	ť	सां	प ध	सां	ध	Ч	ग	रे	सा	
तू	S	ही	ध	र	नि	य	ज	2	मा	S	न	
				•	अं	। तरा	'		'		'	
प	ग	_	Ч	 सां	ध	ध सा	-	सां	सां	ŧ	सां	
भ	व	S	रू	S	द्र	उ	2	ग्र	स	S	र्व	
सां	ध	-	सां	सां	ŧ	गं	ŧ	ŧ	सां	ध	Ч	
प	शु	S	प	ती	2	स	म	स	मा	2	न	
प	ग	रे	ग	प	सां ध	सां	-	सां	सां	ŧ	सां	
ई	S	S	शा	S	नऽ	भी	2	म	स	क	ल	
गं	ŧ	_	सां	प	ध	सां	ध	प	ग	रे	सा	
ते	2	2	रे	2	ही	अ	2	ष्ट	ना	S	म	
		ı		I								

प्र.१ वेगवेगळ्या गायकांनी गायलेले धृपद, तराणे ऐका आणि गीतप्रकारांच्या वैशिष्ट्यांचा अभ्यास करा.

स्वाध्याय

७.१ लक्षणगीत

७.१.१ राग खमाज – ताल द्रुत एकताल

स्थायी - सोहत मधुर खमाज , सुध सुर युत देऊ निषाद, समय द्वितीय प्रहर रात, षाडवसंपूरन जात ||

१	2	3	Χ	ų	ξ	b	۷	9	१०	११	१२
×		0		२		0		3		γ	
सा	-	ग	ग	ग	म	प	ध	ग	म	ग	ग
सो ×	2	ह o	त	म २	धु	र 0	ख	मा ३	2	8 2	ज
ग	म	प	प	पध	सां	नि	ध	प	म	ग	ग
सु	ध	सु	र	युऽ २	त	दे	ऊ	नि	षा	2	द
×	•	0		7		0		३ नि		४	
म	नि	ध	नि	प	ध	नि	सां	नि	सां	_	सां
स ×	ਸ ਸ	य o	_ द्वि	ती २	य	प्र o	ह	₹ ३	रा	8 2	त
पनि	सां रें	नि	सां	नी —	ध	म	Ч	ध	म	ग	ग
षाऽ	<u>22</u>	ड	व	सं	2	पू	र	न	जा	5	त
×		0		7		0		3		४	

अंतरा

अंतरा - आरोहन रिषभ छुटत, सब सुर अवरोह करत, गनि नृप मंत्रि संमत, संगत सुर धम विलसत ||

ग	_	म	_	नि	ध	नि	सां	नि	सां	सां	सां
आ ×	S	रो 0	2	ह २	न	रि 0	ष	भ ३	छु	ट ४	त
नि	सां	नि	सां	सां	ŧ	नि	सां	नि	ध	ध	ध
स ×	ब	सु o	ŧ	अ २	व	् 0	S	ह ३	क	₹ ४	त
म	नि	ध	नि	Ч	ध	नि	सां	नि	_	सां	सां
ग ×	_ नि	न् 8	<u></u>	मं २	2	त्रि 0	2	सं ३	S	म ४	त
गं	ŧ	सां	नि	ध	प	ध	म	प	ध	म	ग
सं ×	2	ग 0	<u> </u>	सु २	₹	ध o	म	वि ३	ल	स ४	त

७.१.२ राग मालकंस

ताल – त्रिताल

स्थायी - मालकंस गुनि चतुर गाय, जब गमधनि को बिकरत बनाय तब ||

ग	_	ा सा	सा	_	सा	ध	नि	सा	सा	म	म	_	ग	ग	ग
_ मा	S	ल	कं	S	स	•	• नि	च	तु	र	गा	S	_ य	_ ज	_ ন্থ
0				3				×				?			
म	ध	नि	सां	सां	_	नि	ध	मध	धनि	ध	म	_	म	ग	म
ग	_ ਸ	ध	नि			बि	_ क	<u>\(\) \(\) \(\) \(\) \(\)</u>	त्रड	ন্ত	ना	S	य	_ ਜ	ब
0		_	_	3				×				?			

अंतरा

अंतरा - मेल करत भैरवी मध्यम सुर अंश समय, निस तृतिय कहे प्रहर, रिप वरजित ओडव बनाय तब ||

म	-	ग	ग	म	म	ध	-	नि	नि	सां	-	सां	सां	सां	सां
मे ०	2	ল	क	₹ 3	त	भै	2	_ ₹ ×	वि	म	2	ध्य २	म	सु	र
		•		्	•	_				_		\	_		
सा	-	सा	सा	ग	सा	नि	ध	म	ध	<u>नि</u>	नि —	ध	नि	ध	म
अं	S	श	स	म	य	नि	स	तृ	ति	य	क	हे	प्र	ह	र
0				3				×				?			
ध	नि	सां	मं	गं	मं	गं	सां	गं	सां	धनि	ध	म	म	ग	म
रि	<u> </u>	व	र	_ जि	त	 ओ	2	_ ड	व	ब ऽ	_ ना	S	य	_ ਜ	ब
0				3				×				7			

७.२ सरगम गीत

हे जाणून घ्या राग भैरवी स्थायी															
सा o	घ _	प	ध _	म ३	प	ग _	म	नि ×	ध _	S	सा	S 2	₹ -	ग _	म
ग _ o	रे -	सा	2	<u>ध</u> ३	नि	सा	t -	<u>नि</u> ×	सा	म	म	। ग २	ग _	₹ -	सा
							अं	तरा							
<u>नि</u> •	सा	ग —	म	ध _	म	ध _	नि —	सां	2	सां	S	गं	गं —	`` -	सां
o नि _ o	सां	गं _	मं	३ पं ३	गं -	S	मं	× गं ×	`	सां	5	२ गं २	गं _	` -	सां
सां ०	सां	नि —	नि —	ध - ३	घ _	Ч	Ч	म ×	म	ग _	ग _	रे - र	t	सा	S

७.२.१ राग खमाज

								सा ×	2	सा	2	ग २	म	Ч	ध
म o	Ч	ध	ग	2	म	ग	S	सा ×	S	ग	म	ч २	ध	नि	सां
O				२								۲			
गम)	<u>पध</u>	नि	सां	ध ३	नि	सां	5	नि — ×	ध	Ч	म	ग २	म	ग	2
म	Ч	ध	प	म	2	ग	2								
0				3				I				I			- 1

अंतरा

								प	म	प	ध	नि	S	सां	S
								×				2			
गं	S	ť	सां	नि —	ध	प	S	म	S	ग	2	सा	ग	म	Ч
0				3				×				2			
ध	नि	सां	नि —	ध	Ч	म	ग								
0				3											

७.२.२ राग मालकंस

						• • •	• • •								
							स्थ	ायी				त्रि	ताल		1
														सां	नि —
ध	नि	ध	म	ग	सा	ध	नि	सा	2	म	2	S	म	ग	2
0	_	_		_ 3		•	•	×				२		_	
म	ग	म	ध	नि	सां	नि	ध	सां	नि	ध	नि	ध	म	सां	नि
0	_		_	-		_	_	×		_	_	_ ~			-
							अं	तरा				I			ı
म	ग	म	ध	नि	सां	S	सां	ध	नि	सां	2	गं	मं	गं	सां
0	_		_	3				×	_			_ 		_	
मं	गं	सां	गं	सां	नि	ध	ध	सां	नि	ध	नि	ध	म	सां	नि
0	_		_	3	_	_	_	×		_	_	_ ?			_
															•

प्र.१ ताल ओळखून तबल्याबरोबर सरगम म्हणण्याचा प्रयत्न करा.

रवाध्याय 🔪